भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1084
22 जुलाई, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

किडनी दिवस

1084. **श्री बिद्युत बरन महतो:**
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री उपेन्द्र सिंह रावत:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने हाल ही में देश में 'किडनी दिवस' मनाया;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और आयुष मंत्रालय द्वारा उक्त समारोहों के दौरान आयोजित कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या देश भर में किडनी रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;
(घ) क्या सरकार आयुष चिकित्सा पद्धति के तहत किडनी रोगों के उपचार के लिए किसी योजना/नीति प्रस्ताव पर काम कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) क्या आयुष चिकित्सा पद्धति के अन्तर्गत क्रिएटिनिन संबंधी विकार और गुर्दे से संबंधित ऐसी अन्य बीमारियों के लिए कोई उपचार उपलब्ध है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में विषय-वार क्या शोध किए जा रहे हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)

(क) और (ख): विश्व किडनी दिवस दिनांक 10 मार्च, 2022 को मनाया गया था। यह दिवस किडनी संबंधित समस्याओं के जोखिम कारकों, रोकथाम, प्रबंधन पर स्वास्थ्य जागरूकता सृजन और सामुदायिक जागरूकता के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों जैसे कि ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, कू, शेयरचैट, यूट्यूब आदि के प्रयोग के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली के संवर्द्धन के लिए प्रतिवर्ष मार्च माह के दूसरे वीरवार को मनाया जाता है।

(ग): आईसीएमआर ने 'शहरी भारतीय जनसंख्या में वयस्कों में गंभीर किडनी रोग (सीकेडी) की व्यापकता का पता लगाने के लिए बहुकेंद्रिक अध्ययन' शीर्षक से एक बहुकेंद्रिक कार्यबल परियोजना को आरंभ किया है और वर्ष 2018 में यह अध्ययन पूरा हो गया था। यह क्रॉस-सेक्शनल समुदाय-आधारित अध्ययन बहु-चरण क्लस्टर सेंपलिंग प्रक्रिया का प्रयोग करके हमारे देश के सात शहरों में संचालित किया गया था। सभी अध्ययन स्थलों को मिलाकर वर्तमान अध्ययन में गंभीर किडनी रोग (सीकेडी) की व्याप्तता को 9.4% पाया गया था।

(घ) और (ङ): आयुष मंत्रालय से प्राप्त सूचना के अनुसार, आयुष मंत्रालय ने आयुष की प्रत्येक शाखा से संबंधित विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों और अनुसंधान परिषदों की स्थापना की है। ये संगठन अनुसंधान गतिविधियों में भी सम्मिलित हैं। किडनी रोगों के लिए उपचार करने के लिए की गई संगठन-वार कार्रवाई निम्नानुसार है:

(i) केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने नैदानिक सुरक्षा और यूरोलिथियासिस के प्रबंधन में वर्गीकृत आयुर्वेद फार्मूलों का मूल्यांकन करने के लिए नैदानिक अनुसंधान परियोजनाएं आरंभ की है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:

I. मूत्रस्मरी (यूरोलिथियासिस) के प्रबंधन में गोकसुरा चूर्ण और स्वेता परपति की नैदानिक प्रभावकारिता
II. मूत्रस्मरी (यूरोलिथियासिस) के प्रबंधन में श्वादमस्त्री कषाय और हजारुलायहुद भस्म की नैदानिक मूल्यांकन
III. मूत्रस्मरी (यूरोलिथियासिस) के प्रबंधन में वरुणदि क्वाथा और चंद्रप्रभावटी की प्रभावकारिता का नैदानिक मूल्यांकन
IV. मूत्रस्मरी (यूरोलिथियासिस) के प्रबंधन में वरुणदि क्वाथ चूर्ण और अपामार्ग क्षार का नैदानिक मूल्यांकन

(ii) राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान (एनआईएस), चेन्नई ने सूचित किया है कि गंभीर किडनी रोग वाले रोगियों को सिद्ध प्रणाली में जड़ी बूटियों जैसे पूनामीसाई (ऑर्थोसिफोनारिस्टेटस), मुकीरत्तई (बोएरहियाडिफुसा), नेरुंजलि (ट्रिबुलस्टेरेस्ट्रिस), करिसलाई (एक्लिप्टा अल्बा), थजाई (पंडनस फासीक्यूलिस) आदि से उपचार किया जाता है। एनआईएस द्वारा प्रारंभिक मधुमेह नेफ्रोपैथी के लिए पॉली हर्बल सिद्ध फार्मूला नामत: आवाराई कुदिनेर, जो कि किडनी के बाद मधुमेह के होने के कारण माइक्रोएल्ब्यूमिन्यूरिया की प्रतिक्रिया होने पर पाया जाता है, एक संस्थागत अनुसंधान भी किया गया है।

(iii) केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद, चेन्नई में किडनी रोग के उपचार हेतु निम्नलिखित कदम उठाए हैं, जिनका ब्यौरा निम्नानुसार है:

i. डायबिटिक नेफ्रोपैथी में सिरुपीलाई कुदिनेर की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट ओपन सिंगल आर्म नैदानिक परीक्षण।
ii. यूरोलिथियासिस (कल्लाडिप्पु) के प्रबंधन में दो सिद्ध औषधियों के स्वैच्छिक नियंत्रित परीक्षण-चरण II
iii. गैर-संचारी रोगों सहित उपचार प्रोटोकॉल, आहार और जीवनशैली में सुधार को शामिल करके किडनी रोग हेतु सिद्ध उपचार दिशानिर्देशों का विस्तार।

(iv) केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) ने हेमोडायलिसिस पर गंभीर किडनी रोग वाले रोगियों में मानक परिचर्या बनाम केवल मानक परिचर्या सहित होम्योपैथी की प्रभावशीलता शीर्षक से एक अध्ययन किया है।

(v) केंद्रीय यूनानी औषधि अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम) ने नेफ्रोलिथियासिस के उपचार हेतु नैदानिक सत्यापन अध्ययन भी शुरू किया है।

*****